नाम..... पृष्ठों की कुल संख्या- 8

अनुक्रमांक.....

103 303(ZE)

2024
संस्कृत

समय : तीन घण्टे 15 मिनट , **पूर्णांक : 100**

निर्देश : *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।*

1. अधोलिखित गद्य-खण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत में दीजिए: ***5×2=10***

गते च तस्मिन् गन्धर्वराजपुत्री, विसृज्य सकलं सखीजनं परिजनं च प्रासादम् आरुरोह। तत्र च शयनीये निपत्य, एकाकिनी एवं चिन्तयामास - ''अहो किमिदम् आरब्धं चपलया मया। न परीक्षिता अस्य चित्तवृत्तिः। परित्यक्तः कुलकन्यकानां क्रमः। गुरुजनात् न त्रस्तम्। लोकापवादात् नौद्विग्नम्। आसन्नवर्ती, सखीजनोऽपि उपलक्षयतीति मन्दया मया न लक्षितम्। तथा महाश्वेताव्यतिकरेण प्रतिज्ञा कृता श्रुत्वैतं वृत्तान्तं किं वक्ष्यति अम्बा तातो वा? किं करोमि? केनोपायेन स्खलितम् इदं प्रच्छादयामि? पूर्वकृतापुण्यसंचयेनैवायम् आनीतो मम विप्रलम्भकः चन्द्रापीडः। इति संचिन्त्य अतिगुर्वीम् लज्जाम् उवाह।''

(i) उपर्युक्त गद्यांश की पुस्तक और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) विसृज्य सकलं सखीजनं परिजनं च गन्धर्वराजपुत्री कुत्र आरूरोह?

(iii) ''अहो! किमिदम् आरब्धं चपलया मया।'' रेखांकित अंश की का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(iv) गन्धर्वराजपुत्री का अस्ति?

(v) कस्य न परीक्षिता चित्तवृत्तिः?

अथवा

''कुमार ! शेषनामा हारोऽयं भगवता अम्भसां पत्या गृहम् उपगताय प्रचेतसे दत्तः। पाशभृतापि गन्धर्वराजाय, गन्धर्वराजेनापि कादम्बर्ये, तयापि त्वद्वपुः अस्य अनुरूपमिति विभावयन्त्या अनुप्रेषितः। अतः अर्हति इयम् बहुमानं त्वत्तः महाश्वेतयापि कुमारस्य संदिष्टम् न खलु. महाभागेन मनसापि कार्यः कादम्बर्याः प्रथमप्रणयभङ्गः'' इति उक्त्वा तं तस्य वक्षःस्थले बबन्धः चन्द्रापीडस्तु, विस्मयमानः प्रत्यवादीत्-'मदलेखे ! निपुण्यासि। जानासि ग्राहयितुम्। उत्तरावकाशम् अपहरन्त्या कृतं वचसि कौशलम्'' इत्युक्त्वा कादम्बरीसंबद्धाभिरेव कथाभिः सुचिरं स्थित्वा, विसर्जयांबभूव मदलेखाम्।

(i) उपर्युक्त गद्यांश की पुस्तक और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) 'मदलेखे ! निपुण्यासि। जानासि ग्राहयितुम्। उत्तरावकाशम् अपहरन्त्या कृतं वचसि कौशलम्" इति वाक्यस्य हिन्द्यानुवादं कुरुत।

(iii) हारस्य किं नामास्ति?

(iv) भगवान् अम्भसां पत्या गृहम् उपगताय हारं कस्मै दत्तः?

(v) चित्ररथः हारं कस्यै दत्तः?

2. अपनी पाठ्य-पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक पात्र का हिन्दी में चरित्र-चित्रण कीजिए: (अधिकतम 100 शब्द) *4*

(i) चाण्डालकन्या

(ii) वैशम्पायन

(iii) शूद्रक

3. ''बाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्'' की समीक्षा कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) *4*

अथवा

बाणभट्ट की गद्य-शैली पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम 100 शब्द) *4*

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) कादम्बरी कस्मिन् अनुरक्ता आसीत्? *1*

(i) विलासवती

(ii) गौरी

(iii) मदिरा

(iv) मदलेखा

(ख) ''बलवान् जननी स्नेहः। कस्योक्तिः? *1*

(i) तारापीडः

(ii) शुकनासः

(iii) श्वेतकेतुः

(iv) चन्द्रपीडः

5. अधोलिखित में से किसी ***एक*** श्लोक की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए: *2+5=7*

(क) इति प्रगल्भं पुरुषाधिराजो मृगाधिराजस्य वचो निशम्य।
प्रत्याहतास्त्रो गिरिशप्रभावादात्मन्यवज्ञां शिथिलीचकार।।

अथवा

(ख) स त्वं मदीयेन शरीरवृत्तिं देहेन निर्वर्तयितुं प्रसीद।
दिनावसानोत्सुकबालवत्सा विसृज्यतां धेनरियां महर्षेः।।

6. अधोलिखित में से किसी ***एक*** श्लोक की सन्दर्भ-सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए: *2+5=7*

(क) निशम्य देवानुचरस्य वाचं मनुष्यदेवाः पुनरप्युवाच।
धेन्वा तदध्यासितकातराक्ष्या निरीक्ष्यमाणः सुतरां दयालुः।।

अथवा

(ख) क्षतात्किल त्रायते इत्युदग्रः क्षत्रस्य शब्दो भुवनेषु रूढ़।
राज्येन किं तद्विपरीतवृत्तेः प्राणैरुपक्रोशमलीमसैर्वा।।

7. कालिदास की काव्य-शैली पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम 100 शब्द) *4*

अथवा

"उपमा कालिदासस्य" की समीक्षा कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) *4*

8. अधोलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए:

(क) दिनावसानोत्सुक बालवत्सा का? *1*

(i) धेनुः
(ii) अजः
(iii) रघुः
(iv) सर्वे

(ख) उपमा प्रयोग के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध हैं- *1*

(i) भारवि
(ii) माघ
(iii) कालिदास
(iv) श्रीहर्ष

9. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** अंश की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए: *2+5=7*

(क) उद्गलितदर्भकवलाः मृग्यः परित्यक्तनर्तनाः मयूराः।
अपसृतपाण्डुपत्राः मुञ्चन्तयश्रूणीव लताः।।

अथवा

(ख) यस्य त्वया व्रणविरोपाणमिङ्गुदीनां
तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे।
श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको चहाति
सोऽयं नन पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते।।

10. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** सूक्ति की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए: *2+5=7*

(i) शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः।
(ii) सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते।
(iii) मार्गे पदानि खलु ते विषमी भवन्ति।

11. कालिदास की नाट्य-कला पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम 100 शब्द) *4*

अथवा

"काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला" की समीक्षा कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) *4*

12. अधोलिखित में से सही उत्तर के विकल्प चुनिए:

(क) निम्नलिखित में से कौन-सी रचना कालिदास की नहीं है? *1*

(i) रघुवंशमहाकाव्यम्

(ii) उत्तररामचरितम्

(iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(iv) मेघदूतम्

(क) 'कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धुं प्रवहति।' कस्येयम् उक्तिः? *1*

(i) प्रियंवदा

(ii) अनसूया

(iii) गौतमी

(iv) कण्वः

13. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर 10 पंक्तियों में संस्कृत में निबन्ध लिखिए: *10*

(i) सत्सङ्गतिः

(ii) परोपकारः

(iii) सत्यमेव जयते नानृतम्

(iv) विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्

14. उपमा अलंकार **अथवा** रूपक अलंकार की परिभाषा संस्कृत में लिखिए। *2*

15. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: ***4×2=8***

(i) गुरु से छात्र प्रश्न पूछता है।

(ii) मोहन राम के साथ विद्यालय जाता है।

(iii) राम ने बाण से बालि को मारा था।

(iv) यह एक नगर है।

(v) वह स्वभाव से दुष्ट है।

(vi) तुम मुझे फल दो।

(vii) हरि दैत्यों के लिए पर्याप्त हैं।

16. (क) अधोलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक में विभक्ति सम्बन्धी नियम-निर्देश का उल्लेख कीजिए: ***2***

(i) <u>सोमाय</u> स्वाहा।

(ii) रावणः <u>रामय</u> द्रुह्यति।

(iii) <u>प्रजाभ्यः</u> स्वस्ति।

(ख) '<u>अभक्ताय</u> गीता न रोचते।' यहाँ रेखाकित अंश में कौन-सी विभक्ति है? ***1***

(i) तृतीया

(ii) षष्ठी

(iii) द्वितीया

(iv) चतुर्थी

17. (क) निम्नलिखित पदों में सके किसी ***एक*** पद का विग्रह कीजिए: ***2***

(i) निर्मक्षिकम्

(ii) यथाशक्तिः

(iii) त्रिलोकम्

(ख) 'भीमार्जुनौ' पद में प्रयुक्त समास का नाम हैः ***1***

(i) द्वन्द्व

(ii) द्विगु

(iii) अव्ययीभाव

(iv) बहुव्रीहि

18. (क) 'भानुरुदेति' शब्द का सन्धि विधायक सूत्र लिखिए। ***2***

(ख) 'तट्टीका' पद का संधि-विच्छेद होगा- ***1***

(i) तद् + टीका

(ii) तत + टीका

(iii) तत् + टीका

(iv) तट् + अम्बरः

19. (क) 'दा' धातु परस्मैपदी, लट्लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन का रूप हैः ***2***

(ख) 'शयीत्' रूप 'शी' धातु का किस लकार, पुरुष तथा वचन का है? ***1***

(i) विधिलिङ् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

(ii) लङ् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

(iii) लोट् लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन

(iv) लट् लकार, प्रथम पुरुष, द्विवचन

20. (क) 'लभध्वे' का पुरुष एवं वचन लिखिए। ***2***

(ख) 'वृध्' धातु, लट् लकार, प्रथम पुरुष, द्विवचन का रूप है? ***1***

(i) वर्धेते

(ii) वर्धवहे

(iii) वर्धेथे

(iv) वर्धताम्

21. (क) 'हसित्वा' पद में प्रयुक्त प्रकृति एवं प्रत्यय है ***1***

(i) हस् + क्त्वा

(ii) हस् + क्त

(iii) हस् + क्तवतु

(iv) हस् + क्तिन्

(ख) 'रमणीयम्' पर में प्रकृति-प्रत्यय है: *1*

(i) रम् + अनीयर्

(ii) रम् + तुमुन्

(iii) रम् + क्त

(iv) रम् + तव्यत्

22. अधोलिखित वाक्यों में से किसी ***एक*** का वाच्य-परिवर्तन कीजिए: *2*

(i) अहं समाचारं पठामि।

(ii) रामेण पठ्यते।

(iii) अहं ग्रामं गच्छामि